स्थापित : 1938 सत्य–संयम–स्वाध्याय दूरभाष : 06152–232321

नास्ति विद्या समम् चक्षुः
स्था. राजेन्द्र कॉलेज छपरा 1938

राजेन्द्र कॉलेज
छपरा, बिहार

जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा
की नैक मान्यता प्राप्त अंगीभूत स्नातकोत्तर ईकाई

जय प्रकाश विश्वविद्यालय छपरा
विद्या ददाति विनयम्

विवरणिका
PROSPECTUS

2020

RCC-Official

RCC Official (@RCCOffice)

Website : www.rajendracollegechapra.org/
E-mail : principal.rajendracollege@gmail.com

प्राचार्य की कलम से

प्रिय छात्रों

राजेन्द्र महाविद्यालय में आप सभी का हार्दिक अभिनंदन ।

शिक्षा एक ऐसी साधना है जो व्यक्ति का सर्वांगीण विकास करता है साथ ही साथ आजीविका को प्राप्त करने का माध्यम भी बनता है । राजेन्द्र महाविद्यालय इसी उद्देश्य के साथ कार्य करता है और बच्चों के बेहतर भविष्य के निर्माण में महती भूमिका निभाता है । मेरा और महाविद्यालय के सभी शिक्षकों का यही लक्ष्य है की विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम को पूरा किया जाए और सभी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर जोर दिया जाए । महाविद्यालय में कार्यरत एनसीसी, एनएसएस आदि इस कार्य में लगे हुए रहते हैं साथ ही साथ अन्य सांस्कृतिक तथा अकादमिक गतिविधियों से विद्यार्थियों को लाभान्वित करने का उद्देश्य भी रखा जाता है । वर्तमान युग में सफल होने के लिए यह जरूरी है कि न सिर्फ आपमें प्रतियोगिता की एक सच्ची और सकारात्मक भावना हो बल्कि आप आसपास के परिवेश से हमेशा अद्यतन रहें । महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिता, कार्यशाला, ट्रेनिंग तथा छात्रों के लिए अन्य गतिविधियां भी निरंतर कराइ जाती हैं ताकि वह दुनिया के साथ कदम से कदम मिला कर चल सकें और शिक्षा जगत में अपना और महाविद्यालय का नाम रौशन कर सकें । महाविद्यालय के इतिहास में ऐसे कई नाम दर्ज हैं जिन्होंने देश-विदेश में अनेकों कीर्तिमान स्थापित किए हैं साथ ही साथ विशिष्ट पदों को सुशोभित भी किए हैं । महाविद्यालय परिवार की यही आकांक्षा है कि यहां पढ़ने वाले सभी विद्यार्थी अपने जीवन के साथ-साथ कैरियर में भी नए आयाम को छूएँ और सुनहरे अक्षरों में अपना नाम दर्ज कराएँ ।

इसी शुभकामना के साथ आप सभी विद्यार्थियों का हार्दिक अभिनंदन तथा ढेरों आशीर्वाद ।

प्रभेन्द्र रंजन सिंह

परचिन्तन तथा पूर्वचिन्तन पतन का जड़ है,
आत्म चिंतन एवम् आत्म बोध ही सफलता का मार्ग है ।
जागो और जगाओं
शिक्षा ही हर मर्ज का ईलाज है ।

राजेन्द्र वन्दना

जय जय जय राजेन्द्र हमारे
जय माता के राज दुलारे ।

भारत माता तुमको प्यारी
तुम भारत माता के प्यारे,
देशरत्न नररत्न राष्ट्रपति,
सर काँटों का ताज तुम्हारे

जय जय जय राजेन्द्र हमारे
जय माता के राज दुलारे ।

तुम विद्या के दिव्य पुरोधा
तुम छात्रों के एक सहारे,
सर्वप्रथम तुमने स्वदेश में
छात्र संघ संदेश प्रचारे

जय जय जय राजेन्द्र हमारे
जय माता के राज दुलारे ।

हुआ जभी भूकम्प भयंकर
काँप उठी धरती जब थर-थर,
तब ले रोग शीर्ण तन जर्जर
तुमने कितने प्राण उबारे

जय जय जय राजेन्द्र हमारे
जय माता के राज दुलारे ।

तुम स्वातंत्र्य समर के सैनिक
आत्म-त्याग सेवा व्रत धारे,
शिव दधीचि के मूर्त रूप तुम
गाँधी के नयनों के तारे

जय जय जय राजेन्द्र हमारे
जय माता के राज दुलारे ।

हम सब एक नाम के चेरे
चलते हैं उस नाम सहारे,
आशीर्वाद हमें दो, हम भी
होवें सब विधि योग्य तुम्हारे

जय जय जय राजेन्द्र हमारे
जय माता के राज दुलारे ।

(महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य
श्री मनोरंजन प्रसाद सिन्हा द्वारा विरचित
तथा पूर्व उपप्राचार्य श्री भुवनेश्वर प्रसाद द्वारा सुरबद्ध)

राजेन्द्र कॉलेज, छपरा

संक्षिप्त परिचय

राजेन्द्र कॉलेज, जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा का एक प्रमुख अंगीभूत कॉलेज है । सारण जिले की भूमि पर अवस्थित यह महाविद्यालय, बिहार में उच्च शिक्षा–साधना का एक गौरवपूर्ण ज्ञान–पीठ है । यह विगत 79 वर्षो के समय की शिला पर अंकित बिहार के इस भूखंड के शैक्षणिक विकास का उज्ज्वल अभिलेख है ।

स्वर्गीय डा० सैयद महमूद की महत् प्रेरणा तथा स्वर्गीय बाबू हरिहर शरण की अगाध निष्ठा एवं तपस्साधना से छपरा में शाह बनवारी लाल की पुण्य–स्मृति में निर्मित, बनवारी नगर के विशाल और सम्मोहक भवन में 1 अगस्त 1938 ई० को राजेन्द्र कॉलेज की स्थापना हुई और 15 अगस्त 1938 से यहाँ अध्यापन–कार्य का श्री गणेश हुआ । यह महज संयोग या सौभाग्य है कि मात्र 9 वर्षो के बाद 15 अगस्त 1947 को देश को स्वतंत्र घोषित किया गया ।

पटना विश्वविद्यालय ने 1938 ई० में कॉलेज को आई०ए० तथा 1939 ई० में बी०ए० कक्षाओं के अध्यापन के लिए सम्बद्धता प्रदान की । इस प्रकार राजेन्द्र कॉलेज पटना विश्वविद्यालय का डिग्री स्तर तक की सम्बद्धता प्राप्त करने वाला प्रथम कॉलेज हुआ । तत्कालीन अन्य सभी कॉलेज कलकत्ता विश्वविद्यालय के उत्तरदान (Legacy) के रूप में पटना विश्वविद्यालय से सम्बद्ध थे । 1940 ई० में यह कॉलेज आई० कॉम० और 1942 ई० में बी० कॉम० के अध्यापन के लिए पटना विश्वविद्यालय से ही सम्बद्ध हुआ । बिहार में वाणिज्य की शिक्षा का प्रारम्भ इसी कॉलेज से हुआ । 1944 ई० में आई०एस–सी० और 1949 ई० में बी०एस–सी० की कक्षाओं के लिए इसे सम्बद्धता प्राप्त हुई । इस भांति ज्ञान–विज्ञान की विभिन्न शाखाओं में डिग्री–स्तर तक का अध्यापन इस विद्या–मंदिर में होने लगा । बिहार में यह पहला महाविद्यालय है जहाँ स्नातक स्तर की वाणिज्य की पढ़ाई प्रारंभ हुई । इसप्रकार अविभाजित बिहार में इस महाविद्यालय को पहला गौरवशाली महाविद्यालय होने का सुयोग प्राप्त हुआ जहाँ तीन संकायों (कला, वाणिज्य एवं विज्ञान) में स्नातक स्तर की पढ़ाई होती रही है।

1952 ई० में बिहार विश्वविद्यालय की स्थापना हुई । इस नये विश्वविद्यालय ने 1954 ई० में राजेन्द्र कॉलेज को हिन्दी और अर्थशास्त्र में प्रतिष्ठा स्तर तक के अध्यापन के लिए सम्बद्धता प्रदान की । शनै:शनै यहाँ अन्य विषयों में भी प्रतिष्ठा स्तर तक के

अध्यापन के गवाक्ष खुलने लगे । आज यहाँ कला निकाय के हिन्दी, अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, इतिहास, अंग्रेजी, दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, उर्दू, संस्कृत, भूगोल, विज्ञान निकाय के रसायनशास्त्र, गणित, भौतिकशास्त्र, जन्तुशास्त्र और वनस्पतिशास्त्र विषयों तथा वाणिज्य संकाय में प्रतिष्ठा स्तर का अध्यापन होता है ।

बिहार विश्वविद्यालय की अभिषद् (सिन्डीकेट) ने 4 जुलाई 1971 को इस कॉलेज में हिन्दी और इतिहास विषयों में स्नातकोत्तर अध्यापन का निर्णय लिया । इसके कुछ दिनों के उपरान्त विश्वविद्यालय में राजनीतिशास्त्र और अर्थशास्त्र में भी एम०ए० स्तर तक के अध्यापन की स्वीकृति प्रदान की । अब एक नये शैक्षणिक परिवेश का यहाँ निर्माण हुआ और बिहार के सम्पूर्ण भोजपुरी भाषा क्षेत्रों में स्नातकोत्तर तक का अध्यापन करने वाला यह प्रथम कॉलेज नये संकल्प से कार्यरत हो उठा ।

श्री भुवनेश्वर प्रसाद, एम०ए०, बी० एल० कॉलेज के प्रथम कार्यकारी प्राचार्य नियुक्त हुए । 21 अगस्त, 1938 ई० को कैप्टन जी० पी० हजारी इस कॉलेज के प्रथम प्राचार्य हुए । 21 मार्च 1939 ई० को वे कतिपय कारणों से कार्यमुक्त होकर चले गये और पुन: श्री भुवनेश्वर प्रसाद 20 सितम्बर, 1939 तक यहाँ कार्यकारी प्राचार्य के रुप में कार्य करते रहे । तत्पश्चात् 21 सितम्बर 1939 ई० को श्री मनोरंजन प्रसाद सिन्हा ने प्राचार्य के रूप में कार्यभार ग्रहण किया । इसके पूर्व वे काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में अंग्रेजी के यशस्वी प्राध्यापक और हिन्दी तथा भोजपुरी के प्रतिष्ठित कवि के रूप में विख्यात हो चुके थे । श्री भुवनेश्वर प्रसाद उप–प्राचार्य के पद पर नियुक्त हुए ।

आचार्य मनोरंजन प्रसाद सिन्हा का दीर्घ प्राचार्यत्व–काल इस कॉलेज के विकास का स्वर्णकाल है । विज्ञान–प्रखंड, व्यायामशाला, श्यामनन्दन वाचनालय, सामान्य सदन आदि भवनों का निर्माण उन्हीं की कार्यावधि में हुआ । छात्रों और शिक्षकों के श्रमदान द्वारा कॉलेज के चारों ओर प्राचीर का निर्माण करवा कर उन्होंने विकासशील कॉलेजों के समक्ष एक आदर्श प्रस्तुत किया था ।

प्राचार्य मनोरंजन प्र० सिन्हा के अवकाश–ग्रहण करने पर श्री इज्तवा हुसेन रिजवी कुछ दिनों तक प्रभारी आचार्य रहे । फिर स्वर्गीय भोला प्रसाद सिंह प्राचार्य के पद पर नियुक्त हुए । वे इसी कॉलेज के रसायन विभाग के अध्यक्ष थे । उनके प्राचार्यत्व काल में ही (1 जनवरी 1967) यह कॉलेज बिहार विश्वविद्यालय का अंगीभूत कॉलेज बना । विज्ञान विभागों में विकास हुए । श्री भोला प्रसाद सिंह का दुर्भाग्यपूर्ण निधन 26 अप्रैल, 1971 ई० को हो गया । उनके निधन के बाद 31 दिसम्बर 1972 तक कॉलेज के उप–प्राचार्य डा० मुरलीधर श्रीवास्तव प्रभारी रहे ।

4 जुलाई, 71 को विश्वविद्यालय ने लंगट सिंह कॉलेज के डा० विनय कुमार को यहाँ के स्नातकोत्तर विभाग के प्रभारी आचार्य के पद नियुक्त किया जिन्होंने 12 जुलाई 1971 को उस रूप में पदभार ग्रहण किया। बाद में विश्वविद्यालय ने उन्हीं डा० विनय कुमार को इस कॉलेज के प्राचार्य के पद पर विधिवत्–नियुक्त किया और उन्होंने 1 जनवरी 1973 को प्राचार्य पद पर पद–भार ग्रहण किया । अपने कार्यकाल की अल्पावधि में ही डां विनय कुमार ने इस कॉलेज में विकास के अनेक महत्त्वपूर्ण कार्य किये । डां विनय कुमार महाविद्यालय के नौवें प्राचार्य रहे । डा० एम० के० शरण के कार्यकाल में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के आलोक में आन्तरिक स्रोत पैदा करने हेतु एवं छात्रों को रोजगारोन्मुख बनाने हेतु बी०सी०ए०, बी०बी०ए०, बी०जे०एम०सी० और बायोटेक्नोलोजी की पढ़ाई शुरु की गई है । सत्र 2013–2014 से महाविद्यालय में कम्युनिटी कॉलेज की स्थापना बिहार सरकार के सहयोग से की गई है जिसके अन्तर्गत फूड प्रोसेसिंग एवं इन्पफॉरमेसन टेक्नॉलाजी की पढ़ाई हुई । यह अपरिहार्य कारणों से फिलहाल बंद है । हमारी प्राचार्य परम्परा में डॉ० वैकुण्ठ पाण्डेय, डा० रामअयोध्या सिंह, डा० देवेन्द्र सिंह, डॉ० वैकुण्ठ पाण्डेय एवं डॉ० राम अयोध्या सिंह के बाद प्रो० डा० एस० एम० आर० आजम प्रभारी प्राचार्य बनें। परीक्षा विभाग को नवनिर्मित परीक्षा भवन में स्थानान्तरित कर दिया गया है । नैक की त्रिसदस्यीय टीम ने 28, 29 एवं 30 जनवरी 2016 को कॉलेज में मूल्यांकन कार्य किया । फरवरी 2016 के प्रभाव से नैक मूल्यांकन का प्रमाण पत्र ग्रेड B (2.66 CGPA) के साथ प्राप्त हो गया है । वर्तमान समय में डॉ० प्रमेन्द्र रंजन सिंह 43वें प्राचार्य के रूप में 01 जुलाई 2020से कार्यरत हैं । इन्होंने महाविद्यालय के विकास, सौन्दर्यीकरण एवं शैक्षणिक गुणवत्ता के लिए अनेक कदम उठाये हैं । नैक की टीम द्वारा चार विषयों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम की अनुशंसा की गई है – एम०सी०ए०, एम०बी०ए०, फिश एण्ड फिशरिज में स्नातक एवं स्नातकोत्तर तथा क्लिनिकल साइक्लोजी में पी. जी.। इसके अतिरिक्त बी०लिब०, बायो टेक में पी०जी०, फिजियोथिरेपी में डिग्री एवं डिप्लोमा, पर्यावरण विभाग में स्नातकोत्तर तथा समाजशास्त्र एवं गृह विज्ञान में स्नातक एवं स्नातकोत्तर की पढ़ाई हेतु विश्वविद्यालय को आवेदित किया गया है, जिसमें शीघ्र नामांकन प्रारंभ होने की संभावना है ।

––::––

राजेन्द्र कॉलेज की विविध विशेषताएँ

B Grade NAAC ACCREDITED

1. यह कॉलेज पटना विश्वविद्यालय से सम्बद्ध होने वाला बिहार राज्य का पहला डिग्री कॉलेज है।
2. डिग्री स्तर तक वाणिज्य के अध्यापन का प्रारंभ भी बिहार में सर्वप्रथम इसी कॉलेज ने किया।
3. वर्ष 1971 से ही यहाँ चार विषयों में स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई आरम्भ हो गई थी।
4. यह कॉलेज महान् देशभक्त भारत के प्रथम राष्ट्रपति डा० राजेन्द्र प्रसाद के नाम से जुड़ा हुआ है। 1 अगस्त 1938 ई० को इस कॉलेज की स्थापना हुई और 15 अगस्त 38 से अध्यापन का श्री गणेश हुआ। जिस राष्ट्र पुरुष के नाम पर इस कॉलेज की स्थापना हुई वही स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति हुए, जिस महीने में इस कॉलेज की स्थापना हुई वही महीना अगले नौवें वर्ष में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का निर्णायक और अमर महीना सिद्ध हुआ तथा जिस तिथि से इस कॉलेज में अध्यापन आरंभ हुआ अगस्त महीने की वही तिथि नौ वर्षों के बाद भारत की स्वाधीनता–प्राप्ति की चिर स्मरणीय ऐतिहासिक और पावन तिथि हो गयी।
5. स्व० ब्रजकिशोर प्रसाद, स्व० हेमचन्द्र मित्रा, श्री महामाया प्रसाद सिन्हा और डा० वासुदेव नारायण जैसे विख्यात देशभक्त और शिक्षानुरागी इस कॉलेज के शासी–निकाय के अध्यक्ष तथा स्व० हरिहर शरण, स्व० विश्वेश्वर दयाल सिंह, स्व० प्रभुनाथ सिंह, श्री नर्वदेश्वर प्रसाद तथा श्री गंगा प्रसाद सिंह इस कॉलेज के शासी–निकाय के सचिव पद को सुशोभित कर चुके हैं।
6. इस कॉलेज के परिसर में डा० राजेन्द्र प्रसाद, डा० सर्वपल्ली राधाकृष्णन्, श्री मोरारजी देसाई, श्री माधव श्री हरिअणे, श्री आर० आर० दिवाकर, डा० जाकिर हुसैन, श्री जय प्रकाश नारायण, स्व० रफी अहमद किदवई, डां पट्टाभि सीतारमैया, आचार्य जे०बी० कृपलानी, डां राममनोहर लोहिया, श्री जगजीवन राम, डा० आर० बेंकट रमण, चन्द्रशेखर आदि जैसे अखिल भारतीय स्तर के राजनयिकों का शुभागमन हो चुका है।
7. इस महाविद्यालय के 23 प्राध्यापक राज्य के विभिन्न महाविद्यालयों में प्राचार्य के पद पर तथा अनेक अखिल भारतीय सेवाओं के विभिन्न पदों पर नियुक्त हो चुके हैं।
8. इस कॉलेज में अनेक विख्यात् विद्वान एवं महिमावान प्राध्यापकों ने कार्य किये हैं। इनमें श्री शचीन्द्र नाथ दत्त, श्री केशरी किशोर शरण, श्री बी नारायण, स्व० आचार्य शिवपूजन सहाय, डा० बाँकेबिहारी मिश्र, स्व० डा० हरबंश लाल, स्व० पं० जनार्दन झा द्विज आदि प्रमुख हैं।
9. इस कॉलेज के अनेक प्राध्यापक अपने विषय के प्रसिद्ध एवं प्रतिष्ठित लेखक है।
10. यहाँ के अनेक प्राध्यापकों ने महत्वपूर्ण शोध किये हैं और अनेक शोध कार्य में निमग्न हैं। कुछ प्राध्यापकों ने शोध कार्य के निर्देशन की दिशा में भी महत्वपूर्ण कार्य किये हैं और कर रहे हैं।

अपने शील और सद्गुणों की सुगन्ध से, अपने आचरण और वाणी के सौन्दर्य से तथा अपने चिन्तन, मनन और विवेक की चारुता से राजेन्द्र कॉलेज की गौरवपूर्ण परम्परा की रक्षा करना और उनके अनुरुप अपने को प्रमाणित करना हम सबका पावन पुनीत कर्त्तव्य है, हम सबका नैतिक दायित्व है।

पाठ्यक्रम

1. शैक्षणिक सत्र की अवधि 1 जून से 31 मई तक निर्धारित है।
2. विभिन्न संकायों एवं कक्षाओं में नामांकन की सीट संख्या सीमा का विवरण निम्नलिखित है :–

इन्टरमीडिएट

इंटर कला 512
इंटर विज्ञान 768
इंटर वाणिज्य.....512

बिहार का +2 स्तरीय (कक्षा XI-XII) का नवीन पाठ्यक्रम

बिहार के इंटर के वर्त्तमान पाठ्यक्रम एवं सी. बी. एस. ई. के वर्त्तमान पाठ्यक्रम के आधार पर निम्नांकित विषयों की पढ़ाई +2 स्तरीय शैक्षिक संस्थानों में करने का निर्णय मानव संसाधन विकास विभाग, बिहार द्वारा लिया गया है :–

I. भाषा समूह –

1. हिन्दी	2. उर्दू
3. अंग्रेजी	4. संस्कृत
5. बांग्ला	6. मैथिली
7. मगही	8. अरबी
9. फारसी	10. भोजपुरी
11. पालि	12. प्राकृत

11वीं एवं 12वीं कक्षा में अनिवार्यतः प्रत्येक विद्यार्थी को उक्त भाषाओं में से दो भाषायें पढ़नी होंगी। यदि कोई विद्यार्थी चाहे तो उक्त भाषा समूह में से कोई तीसरी भाषा भी ले सकता है। लेकिन यह तीसरी भाषा उसके ऐच्छिक विषय के सूची में रहेगी। भाषा समूह के उक्त विषयों के पाठ्यक्रम सभी पढ़नेवाले विद्यार्थियों के लिए एक जैसे होंगे।

II. वैकल्पिक विषय समूह –

विज्ञान खण्ड

1. गणित	2. भौतिक विज्ञान
3. रसायन शास्त्र	4. जीव विज्ञान

कला खण्ड

1. इतिहास	2. राजनीति शास्त्र
3. अर्थशास्त्र	4. मनोविज्ञान
5. भूगोल	6. दर्शनशास्त्र

वाणिज्य खण्ड

निम्नलिखित में से कोई तीन विषय :–

1. एकाउन्टेंसी	2. बिजनेस स्टडीज
3. इंटरप्रेनरशिप	4. अर्थशास्त्र

उक्त विषयों में से शिक्षार्थी को अनिवार्यतः तीन विषयों का अध्ययन करना होगा। इसके अतिरिक्त शिक्षार्थी चाहें तो उक्त दोनों विषयों (भाषा एवं वैकल्पिक) समूह में से किसी एक विषय को ऐच्छिक विषय के रूप में पढ़ सकते हैं।

त्रिवर्षीय स्नातक
कला/विज्ञान/वाणिज्य–प्रतिष्ठा

1. स्नातक प्रथम खण्ड – कला/विज्ञान/वाणिज्य

प्रतिष्ठा विषय 200 अंक	ऐच्छिक सहायक विषय 200 अंक	अनिवार्य विषय 100 अंक	कुल 500 अंक
किसी एक विषय के दो पत्र	किन्हीं दो विषयों के एक–एक पत्र	एक पत्र हिन्दी अथवा अहिन्दी के लिए 50 अंक हिन्दी और 50 अंक का उर्दू, मैथिली भोजपुरी, बंगला नेपाली, उड़िया अंग्रेजी में से एक।	

2. स्नातक द्वितीय खण्ड–कला/विज्ञान/वाणिज्य 500 अंक
प्रथम खंड के विषय समूह ही पठनीय हैं।

3. स्नातक तृतीय खण्ड–कला/विज्ञान/वाणिज्य 400 अंक
तृतीय खंड में चार पत्र होंगे। प्रायोगिक विषयों में चार पत्रों में से एक पत्र प्रायोगिक पत्र होगा।

स्नातक तृतीय खण्ड–सामान्य पर्यावरण अध्ययन (GES)
(सभी संकाय) 100 अंक

कला संकाय के विषय

(i) हिन्दी, (ii) उर्दू,
(iii) संस्कृत, (iv) अंग्रेजी
(v) इतिहास (vi) राजनीति विज्ञान
(vii) दर्शनशास्त्र (viii) गणित
(ix) अर्थशास्त्र (x) मनोविज्ञान
(xi) भूगोल।

विज्ञान संकाय के विषय

(i) भौतिकी (ii) रसायन शास्त्र
(iii) गणित (iv) जन्तु विज्ञान
(v) वनस्पतिशास्त्र

त्रिवर्षीय स्नातक प्रतिष्ठा के विषय

विज्ञान संकाय
भौतिकी
जन्तु विज्ञान
वनस्पति विज्ञान
रसायनशास्त्र
गणित

समाज विज्ञान संकाय
इतिहास
राजनीति विज्ञान
अर्थशास्त्र
मनोविज्ञान
दर्शनशास्त्र
भूगोल

मानविकी संकाय
हिन्दी
संस्कृत
अंग्रेजी
उर्दू

वाणिज्य संकाय
वाणिज्य

त्रिवर्षीय स्नातक प्रतिष्ठा (कला) कक्षा में उपर्युक्त विषयों में से किसी एक विषय में प्रतिष्ठा का अध्ययन किया जा सकता है तथा इसके साथ हीं निम्नलिखित विषयों में से किसी दो का चयन अनुपूरक विषयों के रूप में करना होगा। यथा : हिन्दी, अंग्रजी, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, संस्कृत, दर्शनशास्त्र, गणित, इतिहास, भूगोल, मनोविज्ञान, तथा उर्दू।

त्रिवर्षीय स्नातक प्रतिष्ठा (विज्ञान) कक्षा में गणित, भौतिकी, रसायन, वनस्पति तथा जन्तु विज्ञान में से किसी एक विषय में प्रतिष्ठा का अध्ययन किया जा सकता है।

विद्यार्थियों को अनुपूरक विषयों के रूप में निम्नलिखित समूहों में से किसी एक का अध्ययन अपेक्षित होगा :–

प्रतिष्ठा विषय	अनुपूरक विषय
गणित	भौतिकी, रसायन
भौतिकी	रसायन, गणित
रसायन	गणित, भौतिकी या वनस्पति विज्ञान, जन्तु विज्ञान
वनस्पति विज्ञान	जन्तु विज्ञान, रसायन विज्ञान
जन्तु विज्ञान	रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान

वाणिज्य

एकाउन्टिंग एण्ड फाइनान्स समूह में प्रतिष्ठा के साथ प्रत्येक खण्ड में निम्न प्रकार से विषयों का अध्ययन अपेक्षित होगा :–

HOUNOURS PAPERS	SUBSIDIARY PAPERS
PART I	
Paper I : Financial and Corporate Accounting	1. Principles of Business Mangement
Paper II : Auditing	2. Business Economics
PART II	
Paper III : Business Regulatory Framework	1. Indian Economy
Paper IV : Security Analysis and Portfolio Management	2. Monetory & Financial System
PART III	
Paper V : Financial Mangement	
Paper VI : Cost and Management Accounting	1. General & Environmental Studies (GES)
Paper VII : Income Tax Laws and Accounting	
Paper VIII : Business Statistics	

वाणिज्य संकाय
COURSE SRUCTURE

BACHELOR OF COMMERCE : B. Com. (Hounours) Accounting and Finance / B. Com. (Honours) Marketing is a three year degree course.
DURATION OF COURSE :
Bachelor of Commerce degree course has been organized in three years - First year, Second Year and Third year.

PART I (FIRST YEAR)

B. COM. (HONOURS) ACCOUNTING AND FINANCE

HONOURS PAPERS :
PAPER I Financial and Corporate Accounting
PAPER II Auditing

SUBSIDIARY PAPERS :
PAPER I Principles of Business Management
PAPER II Business Economics
Compulsory Paper : As given in Arts faculty

B. COM. (HONOURS) MARKETING

HONOURS PAPERS :
PAPER I Financial and Corporate Accounting
PAPER II Principles of Marketing

SUBSIDIARY PAPERS :
PAPER I Principles of Business Management
PAPER II Business Economics
Compulsory Paper : As given in Arts faculty

PART II (SECOND YEAR)

B. COM. (HONOURS) ACCOUNTING AND FINANCE

HONOURS PAPERS :
PAPER III Business Regulatory Framework
PAPER IV Security Analysis and Porfolio Management

SUBSIDIARY PAPERS :
PAPER IIIIndian Economy
PAPER IV Monetary and Financial System
Compulsory Paper : As given in Arts faculty

B. COM. (HONOURS) MARKETING

HONOURS PAPERS :

PAPER III Business Regulatory Framework

PAPER IV International Marketing

SUBSIDIARY PAPERS :

PAPER III Indian Economy

PAPER IV Monetary and Financial System

Compulsory Paper : As given in Arts faculty

PART III (THIRD YEAR)

B. COM. (HONOURS) ACCOUNTING AND FINANCE

HONOURS PAPERS :

PAPER V Financial Management

PAPER VI Cost and Management Accounting

PAPER VII Income Tax Laws and Accounts

PAPER VIII Business Satistics

OR

B. COM. (HONOURS) MARKETING

PAPER V Advertising and Sales Promotion

PAPER VI Rural Marketing

PAPER VII Marketing of Services

PAPER VIII Business Satistics

स्नातकोत्तर विषय

1. भौतिकी
2. रसायनशास्त्र
3. जन्तु विज्ञान
4. वनस्पतिशास्त्र
5. गणित
6. हिन्दी
7. अंग्रेजी
8. संस्कृत
9. उर्दू
10. राजनीतिक विज्ञान
11. इतिहास
12. भूगोल
13. अर्थशास्त्र
14. मनोविज्ञान
15. दर्शनशास्त्र
16. वाणिज्य

व्यावसायिक पाठ्यक्रम

स्नातक स्तर पर निम्न पाठ्यक्रमों के पठन पाठन की व्यवस्था है:–

1. बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (BCA)
   इस संस्थान के बी.सी.ए. के छात्रों का नामांकन एवं प्लेसमेंट प्रमुख संस्थानों में हुआ है।
2. बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (BBA)
3. बैचलर ऑफ जर्नलिज्म एण्ड मास कम्यूनिकेशन (BJMC)
   दो छात्रों का प्लेसमेंट चार लाख रूपये वार्षिक पर हो चुका है।
4. बैचलर ऑफ साइंस (बॉयोटेक्नोलॉजी) (B.Sc. Biotechnology)

इन पाठ्यक्रमों का शुल्क एवं अन्य विवरण संबन्धित पाठ्यक्रमों के प्रोस्पेक्टस में दिया गया है। व्यावसायिक पाठ्यक्रम स्व वित्तपोषित है । प्रवेश हेतु आरक्षण नियम का पालन किया जायेगा। उक्त पाठ्यक्रमों के समन्वयक (Coordinators) निम्नवत् हैं–

डॉ. प्रशान्त कुमार सिंह – BCA -

डॉ. देवेश रंजन – BBA -

डॉ. सुशील कुमार श्रीवास्तव – BJMC -

डॉ. सोमनाथ घोष – Biotech. -

राजेन्द्र महाविद्यालय के वर्त्तमान शिक्षकगण

Dr. Pramendra Ranjan Singh
Principal
Rajendra College, Chapra

DR. PRASHANT KR. SINGH
Assistant Professor & Head
Department of Physics

DR. ALOK RANJAN TIWARY
Assistant Professor
Department of Physics

DR. RAVI PRAKASH NATH TRIPATHI
Assistant Professor
Department of Physics

ARUN KUMAR SINGH
Assistant Professor (Guest)
Department of Physics

UPENDRA KUMAR GIRI
Assistant Professor (Guest)
Department of Physics

DR. TANU GUPTA
Assistant Professor & Head
Department of Chemistry

DR. RUPA MUKHERJEE
Assistant Professor
Department of Chemistry

DR. RASHMI KUMARI
Assistant Professor (Guest)
Department of Chemistry

DR. SOMENATH GHOSH
Assistant Professor & Head
Department of Zoology

DR. RUPAM KUMARI
Assistant Professor (Guest)
Department of Zoology

JYOTSANA TRIPATHI
Assistant Professor & Head
Department of Botany

DR. RAJIV KUMAR MISHRA
Associate Professor & Head
Department of Mathematics

AJAY KUMAR
Assistant Professor
Department of Mathematics

DR. SHASHI SHEKHAR KR. SINGH
Assistant Professor (Guest)
Department of Mathematics

DR. ASHOK KUMAR SINHA
Professor & Head
Department of Hindi

DR. RICHA MISHRA
Assistant Professor
Department of Hindi

DR. BETHIYAR SINGH SAHU
Assistant Professor
Department of Hindi

DR. RAJNEESH KR. YADAV
Assistant Professor
Department of Hindi

RAMANUJ YADAW
Assistant Professor
Department of Hindi

VISHAL KUMAR SINGH
Assistant Professor
Department of Hindi

DR. SUNIL KR. PANDEY
Assistant Professor
Department of Hindi

TANUKA CHATTERJEE
Assistant Professor & Head
Department of English

DR. JYOTI KUMARI
Assistant Professor & Head
Department of Sanskrit

DR. ALLAUDDIN KHAN
Assistant Professor & Head
Department of Urdu

DR. VIBHU KUMAR
Professor & Head
Department of Political Science

DR. POONAM
Professor
Department of Political Science

DR. ALOK KUMAR VERMA
Associate Professor
Department of Political Science

DR. EQBAL IMAM
Assistant Professor
Department of Political Science

KANHAIYA PRASAD
Assistant Professor
Department of Political Science

DR. SANJAY KUMAR
Associate Professor & Head
Department of History

DR. VIDHAN CHANDRA BHARTI
Associate Professor
Department of History

DR. NAGENDRA PD. VERMA
Associate Professor
Department of History

DR. SWETA GUPTA
Assistant Professor
Department of History

DR. PRABHAT KR. NIRALA
Assistant Professor
Department of History

JUGNU ARA
Assistant Professor (Guest)
Department of History

RAKESH KUMAR
Assistant Professor (Guest)
Department of History

SAROJ KUMAR SINGH
Assistant Professor (Guest)
Department of History

DR. VIVEK PATHAK
Assistant Professor (Guest)
Department of History

DR. PRAWEEN KR. JHA
Assistant Professor (Guest)
Department of History

DR. SANJAY KUMAR
Associate Professor & Head
Department of Geography

DR. ANUPAM KUMAR SINGH
Assistant Professor
Department of Geography

SUNITA KUMARI
Assistant Professor (Guest)
Department of Geography

SUNITA KUMARI (B)
Assistant Professor (Guest)
Department of Geography

NEHA KUMARI
Assistant Professor (Guest)
Department of Geography

BHAWESH KUMAR
Assistant Professor (Guest)
Department of Geography

DR. MD. MOTIBUR RAHMAN
Assistant Professor (Guest)
Department of Geography

DR. IQBAL ZAFAR ANSARI
Assistant Professor & Head
Department of Economics

DR. JAYA KUMARI PANDEY
Assistant Professor
Department of Economics

SHADAB HASHMI
Assistant Professor
Department of Economics

ABDURASHEED K
Assistant Professor
Department of Economics

RAMESH KUMAR
Assistant Professor
Department of Economics

MD. AIYAN ALAM
Assistant Professor
Department of Economics

DR. VIVEK TIWARI
Assistant Professor & Head
Department of Psychology

DR. NEHA DUBEY
Assistant Professor
Department of Psychology

DR. PARESH KUMAR
Assistant Professor (Guest)
Department of Psychology

DR. SUSHIL KR. SRIVASTAVA
Associate Professor & Head
Department of Philosophy

DEVESH RANJAN
Assistant Professor
Department of Philosophy

DR. PREETI MISHRA
Assistant Professor
Department of Philosophy

DR. HARENDRA PD. SINGH
Associate Professor & Head
Department of Commerce

DR. GOPAL KR. SAHNI
Assistant Professor
Department of Commerce

ZIWAKAR HAIDAR
Assistant Professor
Department of Commerce

DR. JYOTI KUMARI
Assistant Professor
Department of Commerce

KRISHAN LAL
Assistant Professor
Department of Commerce

SHASHITOSH KUMAR
Assistant Professor
Department of Commerce

DR. ARCHANA UPADHYAY
Assistant Professor
Department of Commerce

DR. MANISH KR. SINGH
Assistant Professor (Guest)
Department of Commerce

DR. MANOHAR MISHRA
Assistant Professor (Guest)
Department of Commerce

DR. ARUN KR. SINGH
Demonstrator
Department of Physics

BIRENDRA KUMAR MISHRA
Demonstrator
Department of Chemistry

राजेन्द्र महाविद्यालय के वर्त्तमान शिक्षकेतर कर्मीगण

SHISHIR KUMAR MALLIK
Librarian

HARIHAR MOHAN
Head Assistant

DR. ARUN KUMAR SINGH
Accountant

SUDHA MEHTA
Assistant (Botany)

ASHOK KUMAR SINGH
Account Assistant

RAJESH JHA
Assistant (Physics)

RASHMI KUMARI ROY
Assistant (P.G. Office)

RASHMI
Assistant (P.G. Office)

SURAJ RAM
Assistant (Examination)

ARUN KUMAR SINGH
Assistant (Cashier)

OM PRAKASH
Store In-charge

OM PRAKASH YADAV
Counter In-charage

LOVE KUMAR
H.A. Office

LAL BABU PRASHAR
Assistant (Library Office)

SHASHI BHUSHAN KR. DAS
4th Grade
Zoology

MUNNA SINGH
4th Grade
Darban

RAM BABU RAM
4th Grade
Electrician

SHAMBHU NATH
4th Grade
Examination

MANKI KUMARI
4th Grade
Common Room

AYUB KHAN
4th Grade
Principal Office

AJIT RAY
4th Grade
Physics Department

PRAMILA DEVI
4th Grade
H.A. Office

नामांकन, पंजीयन एवं आरक्षण

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना एवं जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के द्वारा समय–समय पर दिये गए तत्कालीन निर्देशों के अनुसार नामांकन, पंजीयन एवं आरक्षण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

कॉलेज के कार्यालय से विद्यार्थियों को प्राप्त सहायता और सेवा

कॉलेज कार्यालय के मुख्यत: तीन खंड है :–

(क) सामान्य प्रशाखा।

(ख) लेखा–विभाग।

(ग) वातायन–प्रशाखा।

वातायन प्रशाखा के मुख्य सहायक निम्नलिखित विषयों में विद्यार्थियों की सहायता करेंगे।

(क) मूल प्राप्तांक की अभिप्रमाणित प्रतिलिपि प्राप्ति।

(ख) विद्यालय/महाविद्यालय–परित्याग–पत्र (C.L.C.) की अभिप्रमाणित प्रतिलिपि की प्राप्ति।

(ग) प्रवेश–पत्र (Admit Card) की अभि प्रमाणित प्रतिलिपि की प्राप्ति।

(घ) आयु–प्रमाण–पत्र की प्राप्ति।

(ङ) महाविद्यालय–परित्याग–पत्र (C.L.C.), स्थानान्तरण– प्रमाण–पत्र (T.C.) की प्राप्ति।

(च) चरित्र–प्रमाण–पत्र की प्राप्ति।

(छ) कुल सचिव के यहाँ अग्रसारित होने वाले आवेदन पत्र का प्रेषण।

छात्रों को चाहिये कि वे उपर्युक्त के सम्बन्ध में अपने आवेदन मुख्य सहायक को ही दें। वे आवेदन पत्रों पर प्राचार्य अथवा सम्बद्ध अधिकारी का आदेश प्राप्त करेंगे और आवेदकों को सूचित करेंगे

उपर्युक्त विषयक आवेदन पत्र प्राचार्य के सामने सीधे प्रस्तुत नहीं होंगे बल्कि मुख्य सहायक के माध्यम से ही प्रस्तुत होंगे।

आयु अथवा जाति प्रमाण–पत्र (अनुसूचित जातियों के लिए) की प्राप्ति के लिये संबद्ध निकाय के प्रभारी–सहायक के पास आवेदन पत्र प्रस्तुत करना होगा और तदर्थ दस रुपया अदा करना होगा। संबद्ध सहायक आयु अथवा जाति प्रमाण पत्र तैयार करेंगे और प्राचार्य का हस्ताक्षर प्राप्त कर आवेदक को दे देंगे।

महाविद्यालय परित्याग का (College Leaving Certificate) अथवा स्थानान्तरण प्रमाण पत्र (Transfer Certificate) की प्राप्ति के नियम–विहित शैक्षणिक सत्रों की समाप्ति के बाद विद्यार्थी किसी भी समय महाविद्यालय परित्याग पत्र के लिये आवेदन कर सकते हैं। ऐसे आवेदन एक बिहित प्रपत्र पर अर्पित होंगे जो संबद्ध निकाय सहायक से नि:शुल्क प्राप्त हैं। सादे कागज पर लिखे आवेदन पत्र स्वीकृत नहीं होंगे। आवेदक विहित प्रपत्र की खाना पूरी करेगा और निम्नलिखित विभागों से इस आशय का प्रमाण पत्र प्राप्त करेगा कि इसके ऊपर कोई बकाया नहीं है –

1. पुस्तकालयाध्यक्ष

2. विभागीय अध्ययन मंडल (Seminar) के प्रभारी प्राध्यापक यदि आवेदक प्रतिष्ठा अथवा स्नातकोत्तर वर्ग का छात्र हो।

3. ऐथेलेटिक क्लब के संबद्ध अधिकारी।

4. छात्र सामान्य–सदन के प्रभारी।

5. रसायन शास्त्र, जीव विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, भूगोल विभाग तथा मनोविज्ञान विभाग के संबद्ध भंडार पाल (यदि आवेदक विज्ञान निकाय अथवा भूगोल या मनोविज्ञान विषय का छात्र हो)

6. एन० सी० सी० अथवा एन० एस० एस० के प्रभारी अधिकारी। महाविद्यालय परित्याग पत्र देते समय कार्यालय को यह देख लेना है कि आवेदक के नाम पर कहीं कोई बकाया तो भुगतान के लिए पड़ा हुआ नहीं है इसलिए महाविद्यालय परित्याग पत्र की प्राप्ति में थोड़ा समय लगेगा ही। आवेदकों को कार्यालय की इस कठिनाई को समझना होगा। विभिन्न प्रशाखाओं से Clearance certificate प्राप्त करने का उत्तरदायित्व आवेदक का होगा और वैसे किसी आवेदन–पत्र को स्वीकार नहीं किया जायगा जो सब तरह से पूर्ण न हो।

ऊपर बताये ढंग से आवेदन–पत्र की खाना पूरी कर–कराके आवेदक उसे संबद्ध सहायक को दे देंगे जो अपनी टिप्पणी अंकित कर उसे प्रशाखा के प्रधान लिपिक को दे देंगे। प्रधान लिपिक की जबाबदेही होगी कि वे महाविद्यालय परित्याग प्रमाण–पत्र तैयार करावें और उस पर प्राचार्य अथवा अधिकृत शिक्षक का हस्ताक्षर प्राप्त करके उसे आवेदक को दे दें।

महाविद्यालय परित्याग प्रमाण–पत्र के लिये एक महीने के अध्ययन शुल्क की राशि जमा करनी होगी। प्रमाण–पत्र शुल्क 10 0/– रूपये देय।

स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र

स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र वैसे छात्र को दिया जाता है जो शैक्षणिक सत्र के बीच ही इस महाविद्यालय से हटकर किसी दूसरे महाविद्यालय में प्रवेश का आकांक्षी है। इसे प्राप्त करने के लिये अध्ययन शुल्क तथा अन्य देय की अदायगी के साथ एक महीने के अध्ययन शुल्क की राशि के बराबर की राशि जमा करनी होगी। अध्ययन–शुल्क उस महीने तक लिया जायगा। जिस महीने तक छात्र अध्ययन का लाभ उठाता रहा है। ऐसे आवेदन–पत्र भी उसी विहित प्रपत्र पर प्रस्तुत होंगे जिस पर महाविद्यालय परित्याग

प्रमाण पत्र के लिये आवेदन प्रस्तुत किये जाते है और आवेदन की विधि तद्वत होगी ।

चरित्र प्रमाण–पत्र की प्राप्ति के नियम

कॉलेज का कोई भी छात्र आवश्यकतानुसार चरित्र प्रमाण पत्र की प्राप्ति के लिये आवेदन कर सकता है । लेकिन तदर्थ उसे सौ रुपये का शुल्क देना होगा। आवेदक शुल्क सहित अपना आवेदन–पत्र संबद्ध निकाय–सहायक को दे देंगे । जो आवेदन–पत्र पर अपनी टिप्पणी अंकित कर सहायक को दे देंगे । सहायक चरित्र–प्रमाण–पत्र तैयार करायेंगे और प्राचार्य का हस्ताक्षर प्राप्त कर उसे आवेदक को देंगे। जिस विद्यार्थी ने कॉलेज अथवा विश्वविद्यालय की परीक्षा में अवैध उपायों का अवलम्बन किया हो अथवा जिसने किसी प्रकार का अनुशासन भंग किया हो उसे यह प्रमाण–पत्र उक्त टिप्पणी के साथ ही प्राप्त होगा ।

शर्मा पुस्तकालय

डॉ. सुशील कुमार श्रीवास्तव – पुस्तकालय प्रभारी
श्री शिशिर कुमार मल्लिक – पुस्तकालयाध्यक्ष

छात्रों के मानसिक एवं बौद्धिक विकास के लिए कॉलेज में विभिन्न–विषय–विभूषित ग्रंथों एवं पत्रिकाओं से सम्पन्न एवं समृद्ध एक पुस्तकालय है जिसे पण्डित रामावतार शर्मा पुस्तकालय कहते हैं ।

छात्रों को अपने ज्ञान–वर्द्धन के लिए इस पुस्तकालय का सदुपयोग करना चाहिए । हाल हीं में इस पुस्तकालय में वृहद परिवर्तन किये गये हैं । इसका ऑटोमेशन अभी चल रहा है । छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकों के बैठने की अलग–अलग व्यवस्था की जा रही है । ई० लाइब्रेरी की स्थापना की गई है। लाइब्रेरी Internet से जुड़ा है ।

पुस्तकालय के नियम

1. रविवारों, अवकाश के दिनों और परीक्षाओं के कारण कक्षाओं के स्थगित होने के दिनों के अतिरिक्त पुस्तकालय पूरे सत्र भर कॉलेज के कार्य–कालों में खुला रहेगा ।
2. विधिवत् प्रदान किये जाने के पूर्व पुस्तक किसी भी व्यक्ति द्वारा पुस्तकालय से बाहर नहीं लायी जा सकती ।
3. पुस्तकालय से ली गयी पुस्तकों को पुस्तकालय को निश्चयपूर्वक निर्धारित समय पर लौटा देना चाहिए और किसी भी स्थिति में किसी अन्य व्यक्ति को हस्तान्तरित नहीं करना चाहिए ।
4. किसी भी स्थिति में आकर, दुर्लभ और बहुमूल्य ग्रंथ पुस्तकालय के बाहर नहीं ले जाये जा सकते ।
5. पुस्तकों के हाशिये पर या अन्यत्र किसी प्रकार की टिप्पणी या अन्य बातें नहीं लिखी जा सकती । पंक्तियों के नीचे चिन्ह नहीं लगाया जा सकता । इस नियम का उल्लंघन करने पर पुस्तकालय के प्रभारी–प्राध्यापक अपने इच्छानुसार छात्रों को आर्थिक दण्ड दे सकते हैं अथवा उनसे पुस्तक का पूरा मूल्य ले सकते हैं अथवा उन्हें दोनों प्रकार के दण्ड दे सकते हैं ।
6. यदि कोई छात्र किसी पुस्तक को खो बैठता है, अथवा उसे किसी प्रकार की क्षति पहुचाता है तो उसे पुस्तक का वर्त्तमान मूल्य देना पड़ेगा अथवा उक्त पुस्तक की नयी प्रति देनी पड़ेगी । यदि पुस्तक किसी सेट अथवा सिरीज में एक या एक से अधिक हो तो छात्र को पूरी सेट या सिरीज की कीमत देनी पड़ेगी।
7. पुस्तकालय में छात्रों को अनुशासित एवं शांतिपूर्वक रहना चाहिए।
8. थूकने, धूम्रपान करने अथवा किसी प्रकार का अशिष्ट आचरण करने पर छात्रों को पुस्तकालयाध्यक्ष अथवा उनके सहायक, पुस्तकालय से निष्कासित कर सकते है ।
9. प्रत्येक छात्र एक साथ अधिकतम तीन पुस्तकें 21 दिनों के लिये ले सकता है। तदुपरान्त पुस्तकें पुस्तकालय में अवश्य लौटा दी जानी चाहिये । इस नियम का उल्लंघन करने पर प्रतिदिन प्रति पुस्तक 5/– रुपये के हिसाब से दंड लिया जायगा जिसे नयी पुस्तक लेने के पहले अवश्य चुका देना होगा । यदि सुविधा से तीन पुस्तक नहीं मिल सके तो दो या एक पुस्तक, जो भी तत्काल मिल सके, लेकर लाभ उठाना चाहिये ।
10. अध्ययन मंडल (सेमिनार लाइब्रेरी) से पुस्तकें संबद्ध विभागाध्यक्ष द्वारा निर्धारित नियमों के अन्तर्गत प्राप्त होगी ।
11. पुस्तक प्राप्ति के लिये छात्रों को चाहिये कि वे अपने वर्ग के लिये निर्धारित पुस्तक प्रदान करने की तिथि से एक दिन पूर्व पुस्तकालय में रखी हुई पेटिका में अपना मांग–पत्र (रिक्वीजीशन स्लिप) डाल दें ।
12. छात्र द्वारा नामांकन की रसीद और परिचय–पत्र प्रस्तुत करने पर पुस्तकालय के कर्मचारियों द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार उसे एक पुस्तकालय–पत्र (लाइब्रेरी कार्ड) प्रदान किया जायगा जिसपर उसके नाम, वर्ग और नामांकन का उल्लेख रहेगा ।
13. चालू सत्र के परिचय–पत्र के प्रमाण पर ही छात्रों को पुस्तकें प्रदान की जायेगी ।
14. पुस्तकें प्राप्त करने के समय छात्रों को अपना पुस्तकालय–पत्र पुस्तकालयाध्यक्ष के पास जमा कर देना होगा । पुस्तक लौटाने पर पुस्तकालय–पत्र वापस कर दिया जायगा ।
15. समय सारणी के अनुसार छात्रों को पुस्तकें प्रदान की जायगी । इसकी सूचना समय–समय पर पुस्तकालय के सूचना पट पर दे दी जायगी ।
16. संबद्ध विभागाध्यक्ष की मांग होने पर अथवा पुस्तकों के वार्षिक लेखा–जोखा (स्टॉक टेकिंग) के अवसर पर पुस्तकालय के प्रभारी प्राध्यापक के आदेश से पुस्तक लौटाने की नियत तिथि के पूर्व भी छात्रों से पुस्तकें लौटा ली जा सकती है ।
17. छात्रों के कार्य के लिये काउन्टर बने हुए हैं । उन्हें बाहर से अपने संबंधित काउन्टर पर उपस्थिति होकर पुस्तकालय संबंधी अपना कार्य शान्तिपूर्वक करना चाहिये ।

छात्र पुस्तकालय के अन्दर प्रवेश करने के लिये प्रयत्न नहीं करें । अन्दर प्रवेश करने से पुस्तकालय के कार्य में बाधा होती है और काउन्टर पर भी ठीक से कार्य नहीं हो पाते है । अतः पुस्तकालय के भीतर शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के ख्याल से उसके मुख्य द्वार पर एक व्यक्ति के रहने की व्यवस्था की गई है । उसके कार्य में प्रत्येक छात्र का सहयोग मिलना चाहिये ताकि वह अपनी ड्यूटी का समुचित ढंग से पालन कर सकें ।

सेमिनार

मुख्य पुस्तकालय के अतिरिक्त प्रत्येक विभाग में एक अध्ययन मडल (सेमिनार) पुस्तकालय भी है । सेमिनार पुस्तकालय से कॉलेज के प्रतिष्ठा एवं स्नातकोत्तर कक्षा के छात्रों को पुस्तकें आवश्यक जाचोपरांत दी जा सकती है ।

प्रत्येक विभागीय सेमिनार–पुस्तकालय के प्रभारी संबद्ध विभाग के अध्यक्ष अथवा कोई अन्य विभागीय सदस्य ही होते हैं ।

नेशनल कैडेट कोर (N.C.C.)

"GROOMS QUALITY LEADER"

डा0 संजय कुमार, भूगोल विभागाध्यक्ष

–एन.सी.सी. पदाधिकारी

भारत सरकार देश के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में युवा–संगठनों का संचालन करती है । राष्ट्रीय सैन्य निकाय वैसा ही एक संगठन है।

छात्रों के चरित्र–बल, मैत्री, सेवा–भाव और नेतृत्व–शक्ति को विकसित करना, राष्ट्र की सुरक्षा के लिए उन्हें सैनिक शिक्षण देना तथा राष्ट्रीय संकट या आपात्काल में सेनानायकों को भेजकर सहायता करना–राष्ट्रीय सैन्य निकाय के उद्देश्य है ।

छात्रों को इस निकाय से निम्नोक्त लाभ हो सकते हैं –

(अ) उनमें चरित्र के पूर्ण विकास की क्षमता तीव्र हो जाती है ।

(आ) कानून के प्रति आदर–भाव, आत्म–अनुशासन, विश्वास निर्णय की स्वतंत्रता और उत्तम नागरिकता के भाव जागरित होता है ।

(इ) छात्र आत्म–रक्षा एवं समाज का हित–साधन कर सकते हैं

(ई) वे 'बी, और 'सी, सर्टिफिकेट प्राप्त कर सेना में स्थायी कमीशन प्राप्त कर सकते हैं ।

(उ) वे राज्य एवं केन्द्रीय सरकार की नियुक्तियों में प्राथमिकता पा सकते है ।

कॉलेज में अध्ययन–काल में छात्रों को दो वर्षो के प्रशिक्षण के लिए इस

निकाय में नामांकित किया जाता है । यह अवधि दो वर्षों के लिए और बढ़ायी जा सकती है ।

प्रशिक्षण की प्रक्रियाएँ –

(अ) कॉलेज में सैनिक पृष्ठभूमि के साथ सामान्य प्रशिक्षण की कुल 120 घंटियाँ ।

(आ) शिविर प्रशिक्षण–सत्र में फिल्ड ट्रेनिंग के व्यावहारिक अनुभव के साथ 12 दिनों का प्रशिक्षण ।

(इ) साहसिक प्रशिक्षण–चुने हुए सर्वोत्तम सैनिकों के लिए पर्वतारोहण, परा–कुदान तथा अग्र–नेतृत्व सम्बन्धी 21 दिनों का शिक्षण ।

(ई) लघु शस्त्रास्त्रों का प्रक्षेपण एवं फायरिंग ।

राजेन्द्र कॉलेज स्थित पफायरिंग रेंज बिहार के NCC के उत्कृष्ट फायरिंग रेंज में से एक है । इसका स्वर्ण जयन्ती एवं उन्नयन कार्यक्रम वर्ष 2011 में संपन्न हुआ । सारण प्रमंडल के इस इकलौते फायरिंग रेंज में पूरे प्रमंडल के NCC कैडेट फायरिंग का अभ्यास करते हैं । वर्ष 2011 में हीं राजेन्द्र कॉलेज के NCC कार्यालय में केन्द्रीयकृत प्रशिक्षण का उद्घाटन किया गया ।

राष्ट्रीय सेवा योजना (N.S.S.)

लक्ष्य – " NOT ME BUT YOU "

राष्ट्रीय सेवा योजना नेतृत्व की निर्माणशाला है ।

महाविद्यालय में एन.एस.एस. की तीन यूनिट स्वीकृत हैं –

कार्यक्रम पदाधिकारी –

डॉ. अनुपम कुमार सिंह, भूगोल विभाग

तनुका चटर्जी, अंग्रेजी विभाग

रमेश कुमार, अर्थशास्त्र विभाग

राष्ट्रीय सेवा योजना का सूत्रपात भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्राालय के युवा एवं खेल विभाग द्वारा सन् 1969 ई में हुआ । छात्रों का परिसर से समुदाय में मिलने–जुलने का मौका राष्ट्रीय सेवा योजना प्रदान करता है जिससे छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है ।

महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों को राष्ट्र के विकास कार्य में सक्रियतापूर्वक भाग लेने का अवसर प्रदान करना इस योजना का मुख्य उद्देश्य है। इस महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की तीन इकाईयाँ हैं जिसमें से कि महिला इकाई भी है । केन्द्र/राज्य सरकार द्वारा कार्यक्रमों को राष्ट्रीय सेवा कर्मी बखूबी समुदाय में क्रियान्वित करते हैं ।

इस योजना के अन्तर्गत इच्छुक छात्रों को संगठित कर निम्नलिखित कार्यक्रमों को उनके द्वारा क्रियान्वित करने का प्रयास किया जायेगा ।

1. श्रमदान द्वारा महाविद्यालय के प्रांगण की सफाई करके श्रम के महत्त्व का प्रचार ।
2. चयनित गांवों में केन्द्र अथवा राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम, यथा साक्षरता–प्रसार, सफाई, वृक्षारोपन सड़क–निर्माण, एड्स जागरूकता, रक्त दान आदि कार्य अभ्युत्थान हेतु प्रयत्न ।
3. छात्रों के अवकाश का उचित उपयोग ।
4. लम्बे अवकाश के दिनों में विशेष शिविरों का संगठन कर छात्रों को देश के सामाजिक–आर्थिक जीवन का निजी परिचय प्राप्त कराना तथा उनमें देश की सामान्य जनता के प्रति भाईचारे की भावना उत्पन्न करना ।

समितियाँ एवं परिषद्

प्राय: प्रत्येक विभाग में संबंधित समिति या परिषद् होती है। प्राध्यापकों में से कोई इसका अध्यक्ष होता है और छात्रों में से कोई मंत्री होता है। विभाग से संबंधित छात्र उसके सदस्य होते हैं।

इस परिषद्ों में समय–समय पर लेख, पाठ, वाद–विवाद, व्याख्यान, शैक्षिक परिभ्रमण आदि के आयोजन हुआ करते हैं। कॉलेज का प्रत्येक छात्र इन आयोजनों में भाग ले सकता है।

विभागीय समितियों एवं परिषदों के अतिरिक्त महाविद्यालय में क्रीड़ा समिति (एथेलेटिक एसोसियेशन) वाद–विवाद समिति (डीबेटिंग सोसाईटी) और सामान्य सदन (कॉमनरूम) भी है। महाविद्यालय का प्रत्येक छात्र इनका सदस्य हो सकता है।

महाविद्यालय परीक्षा नियंत्रक : डॉ. देवेश रंजन
महाविद्यालय नोडल पदाधिकारी : डॉ. अनुपम कुमार सिंह
अर्थपाल (व्यय) : डॉ. इकबाल इमाम
अर्थपाल (आय) : डॉ. अजय कुमार

क्रीड़ा प्रभारी

क्रीड़ा अध्यक्ष - डा. विवेक तिवारी

सूचना एवं मार्ग दर्शन संस्थान

इस कॉलेज में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की कृपापूर्ण सहायता से 1973–74 सत्र से एक सूचना एवं मार्गदर्शन संस्थान की स्थापना की गयी है।

इस संस्थान का मुख्य उद्देश्य छात्र–समुदाय में प्राविधिक (टेकनिकल) शिक्षा संबंधी सूचनाओं का ज्ञापन और प्रसार करना है। इसके साथ ही कॉलेज में अध्ययन कार्य समाप्त कर लेने वाले छात्रों के जीविका–प्राप्ति में मार्गदर्शन ओर सहायता प्रदान करना भी इस संस्थान का दायित्व है।

Help Desk Follow on :

RCC-Official

RCC Official (@RCCOffice)

Website : www.rajendracollegechapra.org/
E-mail : principal.rajendracollege@gmail.com

महाविद्यालय की पत्रिका 'राका'

प्रत्येक सत्र में राका के नाम से महाविद्यालय की पत्रिका का प्रकाशन होता है।

छात्रों के लिखने एवं सोचने की शक्ति के विकास के लिये उपयुक्त अवसर एवं सुविधा प्रदान करना ही इसका मुख्य उद्देश्य है। छात्रों के मार्ग–प्रदर्शन के ख्याल से इसमें प्राध्यापकों की रचनाएं भी प्रकाशित होती है।

इसमें महाविद्यालय और उनकी विभिन्न संस्थाओं तथा परिषद्ों के प्रतिवेदन भी प्रकाशित किये जाते हैं।

सूचना मिलने पर छात्रों को अपने लेख आदि कागज के एक ही तरफ साफ–साफ लिखकर निश्चित समय पर दे देना चाहिये। रचनाएं रोचक, उपयोगी एवं मौलिक होनी चाहिये।

रचना इधर–उधर से नकल करके नहीं देनी चाहिये। ऐसा करना बहुत ही अनुचित कार्य समझा जाता है।

एक छात्र एक ही लेख या एक कविता अथवा एक लेख और एक कविता दे सकता है।

लेख भी बहुत बड़ा या लम्बा नहीं होना चाहिये।

परिचय–पत्र (आयडेन्टिटी कार्ड) की उपयोगिता

परिचय–पत्र के प्रमाण पर रेलवे से रियायती टिकट प्राप्त किया जा सकता है।

परिचय–पत्र की सहायता से आप किसी दूसरे को छल पूर्वक अपनी छात्रवृत्ति की रकम उड़ा ले जाने से रोक सकते हैं।

ऐसा देखा गया है कि कोई समाज विरोधी अपराधकर्मी अपराध करते समय पकड़े जाने पर नाम और पता का झूठा विवरण प्रस्तुत कर दूसरे को फंसा देने की कुचेष्टा करना है। फलस्वरूप निरपराध व्यक्ति को परेशानी झेलनी पड़ती है। परिचय–पत्र आपको ऐसे संकट से बचायेगा।

कॉलेज से प्राप्त हो होने वाली छात्रवृत्ति अथवा अन्य आर्थिक सहायता की रकम परिचय–पत्र की प्रस्तुति पर ही मिलती है।

अस्तु, छात्रों को अपना परिचय–पत्र सदैव अपने पास रखना चाहिए।

महाविद्यालय के सामान्य / व्यावसायिक कोर्स के छात्रों का विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा नौकरी के लिए प्रतिवर्ष चयन किया जाता है।

प्रतिवर्ष रोजगार मेला भी महाविद्यालय में आयोजित किया जाता है।

छात्रों से न्यूनतम अपेक्षाएँ

राजर्षि जनक की परम्परा के शुभ्र प्रतिमान अजातशत्रु डॉ. राजेन्द्र प्रसाद हमारे कुल देवता हैं। इस महाविद्यालय परिवार के हम सभी सदस्यों का यह पुनीत उत्तरदायित्व है कि हम अपने शील और आचरण से अपने को उस देवता की परम्परा के सच्चे उत्तराधिकारी सिद्ध करें। छात्र कॉलेज–प्रांगण और उसके बाहर महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के सुयश और सन्नाम का ध्यान रखें।

छात्रों के लिए सूचना और आदेश वर्ग भवन में पढ़कर सुनाये जाते हैं और सूचना–पट पर लगा दिये जाते है। छात्र महाविद्यालय आते और घर जाते समय सूचना–पटों पर प्रस्तुत आदेशों तथा सूचनाओं को अवश्य देख लें। नियमों को जानने की जबाबदेही अन्ततः छात्रों की है।

बरामदे पर निरुद्देश्य घूमना अथवा वर्ग भवन के सामने एकत्र होकर वर्ग के अध्ययन–अध्यापन–कार्य में बाधा देना अनुचित है।

वर्ग के आरम्भ होने की सूचना देने वाली घण्टी के बजने के 5 मिनट में ही प्राध्यापक वर्ग–भवन में पहुँच जायेंगे। विभागाध्यक्ष सदैव यह प्रयत्न करेंगे कि कोई भी क्लास जिसमें पढ़ाई की व्यवस्था की जा सकती है, खाली न जाय।

तथापि ऐसा सम्भव है कि विशेष परिस्थितियों में क्लास को स्थगित करना पड़े। वैसी स्थिति में विभागाध्यक्ष वर्ग–स्थगन विषयक सूचना प्रसारित करेंगे। यदि कोई सूचना प्राप्त न हो तो क्लास का कोई एक छात्र विभाग मे आकर पूछ–ताछ कर लेगा और प्राप्त सूचना से अपने साथियों को अवगत करा देगा और छात्र उस सूचना के अनुसार कार्य करेंगे।

खाली समय में छात्र अध्ययन–केन्द्र, सामान्य–सदन तथा क्रीड़ा–सदन में बैठकर पढ़ेंगे या खेलेंगे। खाली कमरों में पंखे खोलकर बैठना भी वर्जित है।

वर्ग–भवन में पूरे समय तक उपस्थित रहना अनिवार्य है। जो छात्र क्लास के बीच में भाग निकलने की कोशिश करेगा उसके विरुद्ध अनुशासन की कार्रवाई की जायेगी। दूसरे की उपस्थिति को अंकित कराने की चेष्टा कदाचार है और परिमाणतः दंडनीय है। विलम्ब से आने वाले छात्र उपस्थिति के अधिकारी नहीं होंगे।

छात्रों का यह कर्त्तव्य है कि वे कॉलेज के प्रांगण को साफ–सुथरा रखें जिससे प्रतिक्षण भाषित हो कि यह विद्या–मंदिर है, कोई हाट बाजार नहीं। इसके लिए उन्हें निम्नलिखित बातों का प्रयत्नपूर्वक ध्यान रखना है –

(क) कॉलेज की दीवारों, प्राचीरों, वर्ग–भवन की खिड़कियों किवाड़ों, सूचना–पटों, डेस्कों ब्लैक बोर्डों पर कुछ भी लिखना या चिपकाना वर्जित है।

(ख) कॉलेज में पान खाना या सिगरेट–बीड़ी पीना मना है।

(ग) कॉलेज के हाते में जहाँ–तहाँ पेशाब करना गन्दी और भद्दी आदत है इससे बचना–बचाना है।

(घ) वर्ग–भवन में रखे गये उपस्कर–कुर्सी, टेबुल, बेंच, पंखे छात्रों की पवित्र थाती है जिनकी सुरक्षा उनका पुनीत कर्त्तव्य है।

छात्र बिजली के स्विच का स्पर्श भी न करें अन्यथा वे संकट में पड़ जा सकते है।

अपने सहपाठियों तथा कॉलेज के कर्मचारियों के प्रति सदैव शालीन व्यवहार करें। छात्राओं के प्रति किसी प्रकार का भद्दा आचरण करने वाले छात्र को कड़ी सजा दी जायेगी।

टोली बनाकर छात्रों का विभागाध्यक्ष, अथवा प्राचार्य के पास जाना अशोभनीय और अमर्यादित हैं। इससे शोर–गुल होता है और अध्ययन–अध्यापन की साधना में बड़ी बाधा पड़ती है।

प्राचार्य की पूर्व अनुमति के बिना महाविद्यालय के प्रांगण में कोई सभा आयोजित नहीं की जा सकती।

अध्यक्ष या प्राध्यापक की पूर्व अनुमति के बिना विभागीय कमरे में प्रवेश नहीं करना चाहिए।

नियमों की मर्यादा के उल्लंघन से सबको कष्ट होता है और लाभ किसी को नहीं होता। इसलिए उचित यह है कि हम सभी नियमों के अनुशासन में रहें।

नोट –

इस विवरणिका में दिये गए सूचनाओं में आवश्यकतानुसार परिवर्तन महाविद्यालय प्रशासन द्वारा किया जा सकता है।

हमारी प्राचार्य परम्परा

प्राचार्य/प्रभारी प्राचार्य

	नाम		कार्यकाल
1.	बाबू भवनेश्वर प्रसाद	प्रभारी	01.08.03–29.08.38
2.	कैप्टेन जी. पी. हजारी	,,	30.08.38–02.07.39
3.	बाबु भुवनेश्वर प्रसाद	,,	03.07.39–20.11.39
4.	श्री मनोरंजन प्र. सिन्हा	प्राचार्य	21.11.39–15.04.60
5.	श्री आई. एच. रिज़वी	प्रभारी	16.04.60–31.05.60
6.	श्री भोला प्र. सिंह	प्राचार्य	01.06.60–23.02.64
7.	प्रो. यू. एस. गोस्वामी	प्रभारी	24.02.64–31.03.65
8.	श्री भोला प्र. सिंह	प्राचार्य	01.04.65–26.04.71
9.	श्री मुरलीधर श्रीवास्तव	प्रभारी	27.04.71–31.12.72
10.	डॉ. विनय कुमार	प्राचार्य	01.01.73–15.05.82
11.	डॉ. रामलखन प्रसाद	प्रभारी	15.05.82–12.10.83
12.	श्री कृष्ण बहादुर	,,	13.10.83–29.11.83
13.	श्री गणेश मेहता	प्राचार्य	30.11.83–31.8.89
14.	डॉ. शिवराम प्र. श्रीवास्तव	प्रभारी	01.09.89–30.09.89
15.	डॉ. राय अखिलेन्द्र प्रसाद	,,	01.10.89–14.02.93
16.	प्रो. नागेन्द्र कुमार सिंह	,,	15.02.93–31.07.93
17.	प्रो. दीनेन्द्र प्र. सिन्हा	प्रभारी	01.08.93–31.01.94
18.	डॉ. शालिग्राम सिंह	,,	01.02.94–31.01.96
19.	प्रो. उदय शंकर रूखैयार	,,	01.02.96–31.12.97
20.	प्रो. पद्माकर झा	,,	01.01.98–30.11.98

	नाम		कार्यकाल
21.	प्रो. श्रीनिवास सिंह	,,	01.12.98-31.01.99
22.	प्रो. राधाकृष्ण प्रसाद	,,	01.02.99-31.12.99
23.	डॉ. अवधेश मिश्रा	,,	01.01.2000-31.03.2000
24.	डॉ. उमानाथ शर्मा	,,	01.04.2000-30.11.2001
25.	प्रो. डॉ. बी.एल. सिंह	,,	01.12.2001-28.02.2003
26.	प्रो. डॉ. पी. एन. सिंह	,,	01.03.2003-31.07.2003
27.	प्रो. डॉ. एम. के. शरण	,,	01.08.2003-28.02.2006
28.	प्रो. डॉ. रवीन्द्र प्रसाद	,,	01.03.2006-23.11.2006
29.	प्रो. डॉ. श्री निवास दूबे	,,	24.11.2006-11.09.2009
30.	डॉ. बैकुण्ठ पाण्डेय	प्राचार्य	11.09.2009-10.06.2012
31.	डॉ. रामअयोध्या सिंह	प्रभारी	11.06.2012-12.07.2012
32.	डॉ. बैकुण्ठ पाण्डेय	प्राचार्य	13.07.2012-05.10.2012
33.	डॉ. रामअयोध्या सिंह	प्रभारी	06.10.2012-14.05.2014
34.	डॉ. देवेन्द्र कुमार सिंह	,,	15.05.2014-28.05.2014
35.	डॉ. बैकुण्ठ पाण्डेय	प्राचार्य	29.05.2014-30.05.2017
36.	डॉ. बैकुण्ठ पाण्डेय	प्राचार्य	31.05.2014-24.06.2014
37.	डॉ. रामअयोध्या सिंह	प्रभारी	25.06.2014-10.11.2014
38.	डॉ. एस.एम.आर. आज़म	प्रभारी	11.11.2014-31.07.2015
39.	डॉ. रामश्रेष्ठ राय	प्राचार्य	01.08.2015 से 21.09.17
40.	डा. सरोज कुमार वर्मा	प्रभारी	22.09.2017 से 24.01.18
41.	वीरेन्द्र प्रसाद यादव	प्रभारी	25.01.2018 से 30.09.18
42.	डॉ. राजकुमार	प्रभारी	01.10.2018 से 30.06.20
43.	डॉ. प्रमेन्द्र रंजन सिंह	प्राचार्य	01.07.2020 से वर्त्तमान

प्राचार्य डॉ० राज कुमार की सेवा निवृत्ति एवं
प्राचार्य डॉ० प्रमेन्द्र रंजन सिंह द्वारा पदभार ग्रहण ।

होली के अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाएँ

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
झंडोत्तोलक के लिए जाते प्राचार्य

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
डॉ० राजेन्द्र प्रसाद के चित्र पर माल्यार्पण के बाद प्राचार्य एवं अन्य

नैक टीम द्वारा महाविद्यालय निरीक्षण

नैक टीम द्वारा महाविद्यालय का भ्रमण एवं छात्रों से वार्तालाप

Printed by - KUMAR PRAKASHAN, CHAPRA, Mob. 9431090666